



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

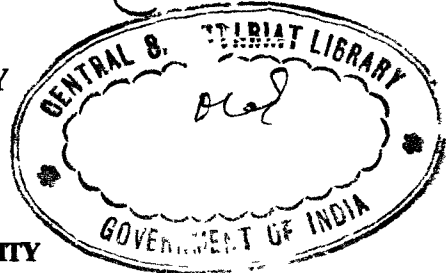
असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 65 ]

नई दिल्ली, बुध्दस्पतिवार, मार्च 8, 2001/फाल्गुन 17, 1922

No. 65]

NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 8, 2001/PHALGUNA 17, 1922

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 मार्च, 2001

प्रारंभिक निष्कर्ष

विषय : चीन जनवादी गणराज्य तथा ताइवान से एनालजीन के आयातों से संबंधित पाटनरोधी  
जांच—प्रारंभिक निष्कर्ष

सं. 66/1/2000-डी जी ए डी.—भारत सरकार 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ  
अधिनियम, 1975 तथा उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी  
शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए;

क. प्रक्रिया

जांच के संबंध में अधोलिखित प्रक्रिया का पालन किया गया है:-

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके पश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) को नियमों के अंतर्गत घरेलू  
उद्योग की ओर से मै0 वाणी कैमिकल्स एण्ड इंटरमीडिएट्स लि0, 1-306 तथा 307 तीसरी  
मंजिल, दिव्यशक्ति कंपलैक्स, 7-1-58 अमीरपेट, हैदराबाद से लिखित आवेदन प्राप्त हुआ,  
जिसमें चीन जनवादी गणराज्य और ताईवान मूल के या वहाँ से निर्यात किए गए एनालजीन  
के पाटन का आरोप लगाया गया है;

- (ii) प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर चीन जनवादी गणराज्य और ताईवान से एनालजीन के आयातों के खिलाफ जांच शुरू करने का निर्णय लिया। प्राधिकारी ने उक्त नियमों के उप-नियम 5(5) के अनुसार जाँच की कार्रवाई शुरू करने से पहले पाटन के आरोप की प्राप्ति के विषय में भारत स्थित ताइपेई आर्थिक और सांस्कृतिक केन्द्र तथा चीन के दूतावास को सूचित किया;
- (iii) प्राधिकारी ने चीन जनवादी गणराज्य और ताईवान के मूल के एनालजीन जो, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की अनुसूची 1 के शीर्ष 2933.1907 तथा भारतीय व्यापार वर्गीकरण (सुमेलित वस्तु विवरण एवं कोडिंग प्रणाली पर आधारित) के तहत सं. 2933.1907 के अंतर्गत वर्गीकृत हैं, के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए, 27 दिसम्बर, 2000 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया;
- (iv) प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की प्रति ज्ञात सभी निर्यातकों ( जिनका ब्यौरा याचिकाकर्ताओं द्वारा उपलब्ध करवाया गया था ) और उद्योग संगठनों को भेजी और नियम 6(2) के अनुसार उन्हें लिखित रूप में अपने दृष्टिकोण प्रस्तुत करने का अवसर दिया;
- (v) प्राधिकारी ने भारत में एनालजीन के सभी ज्ञात आयातकों को सार्वजनिक सूचना की प्रति भेजी और उन्हें सलाह दी कि पत्र मिलने के चालीस दिनों के भीतर लिखित में अपने दृष्टिकोण से अवगत कराएं;
- (vi) केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क बोर्ड (सी बी ई सी) से भी अनुरोध किया गया कि वे जांच की अवधि सहित पिछले 3 वर्षों के दौरान भारत में किए गए एनालजीन के आयातों के ब्यौरे प्रस्तुत करें;

- (vii) प्राधिकारी ने उक्त नियम 6(3) के अनुसार याचिका की प्रतियां ज्ञात निर्यातकों तथा भारत में स्थित चीन जनवादी गणराज्य के दूतावास और ताईपेई आर्थिक एवं सांस्कृतिक केन्द्र को प्रदान की;
- (viii) प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार अपेक्षित सूचना प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी:

1. चाइना नेशनल कैमिकल कंस्ट्रक्शन कारपोरेशन, चीन
2. गुंगा डौंग कैमिकल्स एण्ड इम्पोर्ट एक्सपोर्ट कारपोरेशन, चीन
3. लोंग हवांग कैमिकल्स कं. लि., ताइवान
4. ज्याइंट यूनियन इंटरप्राइजेज कं. लि., ताइवान

- (ix) नई दिल्ली, स्थित ताईपेई आर्थिक और सांस्कृतिक केन्द्र चीन जनवादी गणराज्य की दूतावास को नियम 6(2) के अनुसार जांच शुरू करने के संबंध में सूचना दी गई जिसमें यह अनुरोध किया गया कि वे अपने-अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को प्रश्नावली का निर्धारित समय के अंदर उत्तर देने की सलाह दें। निर्यातकों को भेजे गए पत्र, याचिका और प्रश्नावली की प्रतियां चीन जनवादी गणराज्य एवं ताईवान के ज्ञात निर्यातकों तथा उत्पादकों की सूची सहित इनके पास भी भेजी गई थी।

- (x) भारत में एनालजीन के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों को भी एक प्रश्नावली भेजी गई थी जिसमें नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगी गई थी:

1. मै0 हैक्सट मैरिओन रूसेल लि0, मुम्बई
2. मै0 मेकर्स लेबोरेट्रीज लि0, मुम्बई
3. मै0 वैद्य लेडरले लि0, मुम्बई
4. मै0 इपका लेबोरेट्रीज लि0, मुम्बई

5. मै० एपेक्स फार्मा कैम, अहमदाबाद
6. मै० दीपेन ड्रग्स, अहमदाबाद
7. मै० हब फार्मास्युटिकल्स लि०, मुम्बई
8. मै० अजन्ता फार्मा लि०, मुम्बई
9. मै० विनायक फार्मास्युटिकल्स, नई दिल्ली
10. मै० प्रदीप ड्रग कंपनी लि०, चेन्नई
11. मै० सेल वेल फार्मास्युटिकल्स, इन्दौर
12. मै० वाणी कैमिकल्स, चेन्नई
13. मै० मार्सेट मेटूर फार्मास्युटिकल्स लि०, चेन्नई
14. मै० प्लाकैम इंडस्ट्रीज, मुम्बई
15. मै० प्राईम फार्मा, मुम्बई
16. मै० सिपाली कैमिकल, चेन्नई
17. मै० मार्डेन फार्मास्युटिकल्स इंडस्ट्रीज, तिरुूर
18. मै० कासललाइन आर्गेनिक्स लि०, मदुरई
19. मै० टैवलैट्स इंडिया लि०, चेन्नई
20. मै० कौशलया फार्मास्युटिकल्स, चेन्नई
21. मै० हास्पिटल लघु उद्योग, इन्दौर
22. मै० विकास फार्मास्युटिकल लेबोरेटरीज, मुम्बई
23. मै० कापलिन प्वाइंट लेबोरेटरीज लि०, चेन्नई
24. मै० अल्फा लैब्स (इंडिया) लि०, इन्दौर
25. मै० ओरडील लेबोरेटरीज, इन्दौर
26. मै० शिल्पा कैम, इन्दौर

27. मै0 बाफना फार्मास्युटिकल्स लि., चेन्नई
28. मै0 बायो मेडिका लेबोरेटरीज, इन्दौर
29. मै0 फार्मा फैब्रिकोन, मदुरई
30. मै0 अतुल ड्रग एजेन्सी, मुम्बई

- (xi) याचिकाकर्ता से क्षति के संबंध में अतिरिक्त सूचना मांगी गई थी जो प्राप्त भी हो गई थी ।
- (xii) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय अंश सार्वजनिक फाईल के रूप में उपलब्ध रखे और उसे हितबद्ध पक्षों के निरीक्षण हेतु खुला रखा ।
- (xiii) प्राधिकारी ने जांच हेतु आवश्यक समझी गई सूचना मांगी और उसका सत्यापन किया ।
- (xiv) प्राधिकारी ने लागत संबंधी जांच (प्राप्त सूचना के आधार पर) भी की और सामान्य स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के आधार पर इष्टमत उत्पादन लागत/भारत में निर्माण और बिक्री लागत निकाली ।
- (xv) इस जांच में 1 अप्रैल, 1999 से 30 सितम्बर, 2000 (18 माह) की अवधि शामिल है ।
- (xvi) इस अधिसूचना में \*\*\* से किसी हितबद्ध पक्ष द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना प्रदर्शित होती है और प्राधिकारी ने उसे नियमानुसार गोपनीय ही माना है ।

#### ख. याचिकाकर्ता के विचार

- 2.0 याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में निम्नलिखित मुद्दे उठाए हैं -
- 2.1 चीन जन. गण. और ताईवान से हुए आयातों में समग्र रूप से पर्याप्त वृद्धि हुई है ।
- 2.2 1999-2000 में सनालजिन के लगभग सभी आयात संबद्ध देशों से ही हुए हैं ।
- 2.3 संबद्ध देशों से हुए निर्यातों की कीमत में पर्याप्त गिरावट आई है ।
- 2.4 संबद्ध देशों से आयातों की पहुँच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम है जिसके परिणामस्वरूप कीमतों में भारी कटौती हुई है ।

- 2.5 भारत में अनेक उत्पादकों ने अपना उत्पादन रोक दिया है। यदि यह स्थिति बनी रहती है तो याचिकाकर्ता अपना उत्पादन रोकने के लिए बाध्य हो सकता है।

ग. निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

3.0 निर्यातक:-

- 3.1 मै0 ज्वाईट यूनियन इंटरप्राइज कं. लि., ताईवान: कम्पनी ने बताया है कि उन्होंने अप्रैल 1999 से सितम्बर, 2000 तक की अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु का कभी निर्यात नहीं किया है। उन्होंने पाटनरोधी जांच से अपनी कम्पनी का नाम हटाने का अनुरोध किया है।

ताईपेई आर्थिक एवं सांस्कृतिक केन्द्र, नई दिल्ली (टीईसीसी)

टीईसीसी ने उल्लेख किया है कि ताईवान के सीमाशुल्क महानिदेशक के निर्यात-आयात संबंधी आंकड़ों के रिकार्ड के अनुसार अप्रैल, 1998 से सितम्बर, 1999 तक की अवधि के दौरान और यहां तक की अप्रैल, 1999 से सितम्बर, 2000 तक की अवधि के दौरान भी भारत को हुए एनालजिन के निर्यात का कोई रिकार्ड नहीं है। उनके रिकार्ड के अनुसार उक्त मद की बहुत ही कम मात्रा का निर्यात केवल पाकिस्तान को किया गया था। उपरोक्त तथ्य पर विचार करते हुए उन्होंने अनुरोध किया है कि ताईवान के खिलाफ पाटनरोधी जांच समाप्त कर दी जाए।

टीईसीसी ने 14 फरवरी, 2000 के अपने पत्र के तहत यह अनुरोध किया है कि डीजीसीआई एण्ड एस, कलकत्ता द्वारा उपलब्ध किए गए आयात संबंधी आंकड़ों के अनुसार अप्रैल, 1999 से मार्च, 2000 तथा अप्रैल से सितम्बर, 2000 तक की अवधि के दौरान ताईवान से

आयातित एनालजिन का मूल्य क्रमशः केवल 916398/-रुपए और 1661134/-रुपए रहा है जो चीन जनवादी गणराज्य के आयात मूल्य से काफी कम है जोकि क्रमशः 33573478/-रुपए और 30555856/-रुपए है । उन्होंने अनुरोध किया है कि चूँकि ताईवान का आयात मूल्य इतना कम है जिससे उन्हें यह विश्वास नहीं होता कि आयातों से भारत में घरेलू उद्योग को कोई क्षति पहुँचेगी ।

#### 4.0 आयातक

मै0 विनायक फार्मास्यूटिकल्स:

उन्होंने बताया है कि उनका कारोबार स्थानीय है और वे संबद्ध सामग्री का आयात या निर्यात नहीं करते हैं ।

#### घ. उठाए गए मुद्दों की जांच

4.1 निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्ताओं और अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच की गई है, उन पर विचार किया गया है और समुचित स्थानों पर उन पर कार्रवाई की गई है ।

#### ङ. विचाराधीन उत्पाद:

5.0 इस याचिका में विचाराधीन उत्पाद चीन और ताईवान के मूल की अथवा वहां से निर्यातित एनालजिन है । यह उत्पाद सीमाशुल्क टैरिफ शीर्ष 2933.1907 के अंतर्गत वर्गीकृत है । तथापि यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और मौजूदा जांच पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है । एनालजिन बमुश्किल दिखाई देने वाली पीली परत वाला सफेद क्रिस्टलीन पाउडर है । यह एनालजेसिक और ज्वरांतक प्रयोजन में इस्तेमाल किए जाने वाली एक सृजनरोधी और ज्वरांतक औषधि है । याचिकाकर्ताओं ने यह भी उल्लेख किया है कि इस उत्पाद को एनालजिन के विभिन्न समानार्थी शब्दों, अर्थात् मैटामिजोल, मेथमपाईरोन इत्यादि से जाना जाता है ।

## घ. समान वस्तु

6.1 समान वस्तु की परिभाषा में निम्नानुसार उल्लेख है:-

"समान वस्तु का तात्पर्य ऐसी किसी वस्तु से है जो भारत में पाटन किए जाने हेतु जांचाधीन उत्पाद से हर प्रकार से समनुरूप अथवा समान हो अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में ऐसी अन्य वस्तु से है जो हालांकि हर प्रकार से समान नहीं है किन्तु उसकी विशेषज्ञाएं जांचाधीन वस्तु की विशेषताओं से अत्यधिक मिलती जुलती हों।"

6.2 प्राधिकारी यह पाते हैं कि याचिकाकर्ताओं द्वारा उत्पादित एनालजिन और चीन एवं ताईवान से आयातित संबद्ध वस्तु भौतिक और रासायनिक गुणों, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्य और उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन इत्यादि जैसी विशेषताओं के अनुसार तुलनीय है। इन दोनों वस्तुओं का तकनीकी और वाणिज्यिक दृष्टि से एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग होता है।

6.3 उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित एनालजिन चीन जनवादी गणराज्य तथा ताईवान से निर्यातित वस्तु के समान वस्तु है।

## छ. घरेलू उद्योग

7.1 यह याचिका मै0 वाणी कैमिकल्स एण्ड इंटरमेडिएट्स लि0, हैदराबाद द्वारा घरेलू उद्योग की ओर से दायर की गई है। लगभग 2-3 वर्ष पूर्व भारत में एनालजिन के 15 से अधिक उत्पादक थे। तथापि, वाणी कैमिकल्स को छोड़कर सभी ने अव्यवहारिक प्रचालन के कारण एनालजिन से संबंधित अपना उत्पादन या तो रोक दिया है अथवा अपना प्रचालन पूरी तरह बंद कर दिया है। याचिकाकर्ता भारत में एनालजिन का एक मात्र उत्पादक है। इस प्रकार कम्पनी का हिस्सा एनालजिन के भारतीय उत्पादन का 100% बनता है। इस प्रकार याचिकाकर्ता मौजूदा याचिका का दायर करने की स्थिति में है और वह निम्नानुसार घरेलू उद्योग है।

7.2 पूर्वोक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि याचिकाकर्ता नियमानुसार घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दायर करने की स्थिति में है।



**ज. पाटन**

8. धारा 9(क) (1) (ग) के अधीन किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है:

(i) सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तुओं के लिए उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियम के अनुसार यथानिर्दिष्ट तुलनात्मक मूल्य जबकि ऐसी वस्तु निर्यातक देश या क्षेत्र में उपभोग के लिए आशयित हो; या

(ii) जहाँ निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तु की कोई बिक्री नहीं हो या विशेष बाजार दशा के कारण अथवा निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में बिक्रियों की कम मात्रा के कारण, ऐसी बिक्रियों की वजह से समुचित तुलना नहीं हो सकती हो तो सामान्य मूल्य या तो:-

(क) निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से आयात किए जाने पर समान वस्तु का उप-धारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथा निश्चित तुलनात्मक प्रतिनिधि मूल्य; या

(ख) उप-धारा (6) के अंतर्गत बन नियमों के अनुसार यथा निश्चित प्रशासनिक बिक्री और सामान्य लागतों एवं लाभों के लिए उचित वृद्धि के साथ वस्तु मूल के देश में उक्त वस्तु के उत्पादन की लागत:

बशर्ते कि वस्तु का आयात जब मूलता के देश से भिन्न अन्य किसी देश से किया गया हो तथा जहाँ वस्तु निर्यात के देश से केवल गुजरी हो या ऐसी वस्तु निर्यात के देश में उत्पादित नहीं होती हो या निर्यात के देश में उसका कोई तुलनात्मक मूल्य नहीं है, तो इसके सामान्य मूल्य का निर्धारण मूलता के देश में इसके मूल्य के संदर्भ में किया जाएगा ।

**सामान्य मूल्य**

**8.1 सामान्य मूल्य:** याचिकाकर्ता का दावा है कि चीन जन.गण. तथा ताईवान की बाजार स्थिति को ध्यान में रखते हुए इन देशों में प्रचलित सामान्य मूल्य प्राप्त करना उनके लिए व्यावहारिक नहीं है ।

सामान्य मूल्य का परिकलन संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत के आधार पर किया गया है जिसमें बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक व्यय और समुचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए समायोजन कर दिया गया है।

- 8.2 किसी भी निर्यातक से सहयोग नहीं मिलने पर प्राधिकारी ने चीन एवं ताईवान में परिकलित सामान्य मूल्य के संबंध में याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दावों और रिकार्ड में उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना पर भरोसा किया है। दावा किया गया सामान्य मूल्य क्रमशः \*\*\* अमरीकी डालर प्रति मी.टन तथा \*\*\* अमरीकी डालर प्रति मी.टन स्वीकार किया गया है।

#### निर्यात कीमत:

- 8.3 निर्यात कीमत: याचिकाकर्ता ने वर्ष 1998-99 की अवधि के लिए और अप्रैल, 99 से सितम्बर, 2000 तक की अवधि के लिए भी निर्यात कीमत वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस), कलकत्ता के अनुसार प्रस्तुत की है और निर्यात कीमत का दावा उपरोक्त आधार पर किया है। याचिकाकर्ता ने कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत निकालने के लिए सी आई एफ कीमतों में निम्नलिखित समायोजनों अर्थात् समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, कमीशन, स्वदेशी परिवहन और पत्तन हैंडलिंग प्रभारों का संकेत दिया है जो कुल \*\*\* अमरीकी डालर प्रति मी.टन बैठता है।

- 8.4 प्राधिकारी ने जांच अवधि के लिए डी जी सी आई एंड एस के आयात संबंधी आंकड़ों पर भरोसा किया है और तदनुसार निर्यात कीमत (कारखाना द्वार पर) समायोजनों के बाद निकाली गई है।

8.5 पाटन मार्जिन: तुलना से संबंधित नियमों में सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बीच तुलना के लिए निम्नानुसार प्रावधान है:

"पाटन का मार्जिन निकालते समय निर्दिष्ट प्राधिकारी निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य के बीच उचित तुलना करेगा। यह तुलना व्यापार के एक समान स्तर पर सामान्यतया कारखाने द्वारा स्तर पर की जाएगी और यथासंभव उसी समयावधि के दौरान की गई बिक्रियों के संबंध में की जाएगी। जो अंतर कीमत की तुलनीयता पर प्रभाव डालते हैं, उनके लिए प्रत्येक मामले में गुण-दोष के आधार पर उचित छूट दी जाएगी। उक्त अंतर में बिक्री की शर्तें, कराधान, व्यापार के स्तर, मात्राएं, भौतिक विशेषताएं तथा अन्य ऐसे उत्तर शामिल हैं, जो कीमत तुलनीयता को प्रभावित करने के लिए प्रदर्शित किए जाते हैं।"

#### 8.6 पाटन मार्जिन

जैसा कि ऊपर चर्चा की गयी है सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करने के बाद यथानिर्धारित पाटन मार्जिन निम्नानुसार होगा:-

अमरीकी डालर प्रति किग्रा.	चीन	ताइवान
सामान्य मूल्य	x x x	x x x
निर्यात कीमत	x x x	x x x
पाटन मार्जिन	x x x	x x x
निर्यात कीमत के % के रूप में पाटन मार्जिन	115 %	111 %

सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बीच उचित तुलना करने के प्रयोजन से प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत सूचना और प्राधिकारी के पास उपलब्ध अन्य प्रकाशित सूचना पर विचार किया है। उपरोक्तानुसार निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत कारखाना द्वार स्तर पर है।

### झ. क्षति

- 9.0 उपरोक्त नियम 11 अनुबंध-॥ के तहत जब क्षति के बारे में किसी निष्कर्ष पर पहुँचा जाता है तो इस प्रकार के निष्कर्ष में ".....पाटित आयातों की मात्रा, घरेलू बाजार में समान वस्तुओं की कीमत पर उनके प्रभाव तथा इस प्रकार की वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत तथ्यों पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण शामिल होगा।" कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह जाँच करना आवश्यक समझा जाता है कि पाटित आयातों के कारण भारत में समान वस्तुओं की कीमत की तुलना में कीमत में कोई उल्लेखनीय गिरावट आई है अथवा नहीं अथवा क्या इस प्रकार के आयातों से कीमतों में अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक गिरावट आई है, अथवा कीमत वृद्धि में अन्यथा रूकावट आई है जो कि अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक बढ़ गई होती;

नियमावली के अनुबंध ॥ के नियम (iii) में यह अपेक्षा की गई है कि यदि एक से अधिक देशों से हुए किसी उत्पाद के आयातों की एक साथ पाटनरोधी जाँच की जा रही है तो प्राधिकारी ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी रूप से मूल्यांकन करेगा। तथापि, इस प्रकार का मूल्यांकन केवल तब किया जा सकता है जब यह निर्धारित किया गया हो कि:-

- (क) प्रत्येक देश से किए गए आयातों के बारे में पाटन मार्जिन निर्यात के रूप में दिए गए 2 प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से किए गए आयातों की मात्रा भारत में समान वस्तु के आयातों का 3 % है;

(ख) आयातित वस्तु और समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों को देखते हुए आयातों के प्रभावों का संचयी मूल्यांकन करना उचित है ।

9.1 प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देश से किए गए आयातों की मात्रा एवं पाटन मार्जिन उक्त निर्धारित सीमा से अधिक है । आयातों के प्रभावों का संचयी मूल्यांकन करना उचित है क्योंकि भारतीय बाजार में संबद्ध देशों की निर्यात कीमत की स्पर्धा सीधे घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त कीमतों से थी ।

9.2 भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने उपरोक्त नियमों के अनुबंध-II(iv) के अनुसार आयातों की मात्रा, उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, बाजार हिस्सा, लाभप्रदता, पाटन की मात्रा एवं मार्जिन जैसे संकेतों पर विचार किया जो उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालते हैं ।

	1997-98	1998-99	1999-00	4/00-9/00	जांच अवधि (18 माह)	वार्षिकृत
चीन जनवादी गणराज्य से आयात (मी.टन)	58000	6700	196527	162699	359226	239484
ताईवान से आयात (मी.टन)	-	-	191952	9000	20952	13968
अन्य देशों से आयात (मी.टन)	6100	-	-	-	-	

सभी देशों से कुल आयात	64100	6700	388479	171699	380178	253452
कुल आयातों में (%) हिस्सा						
चीन	90.48%	100 %	50.58%	94.75%	94.48%	
ताईवान	-	-	49.41%	5.24 %	5.51 %	
अन्य	-	-	-	-	-	
कुल घरेलू उत्पादन (ख)	181*	130	146	27.50 (3 माह)	173.5 (15 माह)	139
देश में कुल मांग (मी.टन)	64281	6830	388625	171726	380351	
मांग में बाजार हिस्सा						
चीन जनवादी गणराज्य एवं ताईवान	90.22%	98.09%	99.96%	99.98%		
अन्य देश	9.48%	-	-	-		
घरेलू उद्योग	0.28%	1.91%	0.04%	0.02 %		

\* इसमें अन्य उत्पादक का उत्पादन शामिल है ।

उपरोक्त सारणी से यह स्पष्ट है कि चीन और ताईवान से हुए आयातों में पूर्ण रूप से वृद्धि हुई है जो वर्ष 1997-98 के दौरान 6700 मी.टन के आयातों से बढ़कर जांच अवधि (वार्षिक) के दौरान 239484 मी.टन के हो गए हैं । भारत की कुल मांग में चीन जनवादी गणराज्य के बाजार हिस्से में वृद्धि दर्ज की गई है, जो वर्ष 1997-98 में 90.22%

के कम स्तर से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 99.98% तक पहुँच गया। घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा, जो 1997-98 में 0.28% था, जांच अवधि में घटकर 0.02% हो गया।

### 9.3 याचिकाकर्ता का उत्पादन और क्षमता उपयोग:

मात्रा/मी.टन	1997-98	1998-99	1999-2000	जांच अवधि (18 माह)
स्थापित क्षमता	480	480	480	720
उत्पादन	192	130	146	173.5 *
क्षमता उपयोगिता	19.16	27.08	30.41	

\* आंकड़े 15 माह के लिए हैं।

टिप्पणी: 1997-98 के इंडेक्स आंकड़ों को 100 माना गया है।

यद्यपि, 1998-99 और 1999-2000 में याचिकाकर्ता के उत्पादन और क्षमता उपयोग में वृद्धि हुई है, लेकिन यह वृद्धि कंपनी के सकारात्मक प्रयास का परिणाम रही है। याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्रियों में की गई वृद्धि से भी कंपनी उचित लाभ अर्जित करने में सक्षम नहीं रही थी। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2000-2001 (जून, 2000 के पश्चात्) में उत्पादन में भारी गिरावट आई है।

### 9.5 बिक्री मात्रा:

	1997-98	1998-99	1999-2000	2000-01 (अप्रैल-जून)	2000-01 (वार्षिकृत)
बिक्रियां (मी.टन)	100	127.37	133.02	31.00	124.00

याचिकाकर्ता की बिक्रियों की मात्रा में देश के कई अन्य उत्पादकों द्वारा उत्पादन स्थगित करने के परिणामस्वरूप वृद्धि हुई है।

### स्टॉक

जैसा कि निम्नलिखित सारणी से स्पष्ट है कि याचिकाकर्ता के पास उपलब्ध एनालजीन के स्टॉक में इस अवधि में पर्याप्त वृद्धि हुई है:-

	1997-98	1998-99	1999-2000	2000-01 (अप्रैल-जून)	2000-01 (वार्षिकृत)
स्टॉक (मी.टन)	0	12.37	25.37	24.69	98.76

### 9.6 बिक्री कीमत और कीमत में कटौती

याचिकाकर्ता की बिक्री कीमत, औषधि कीमत, नियंत्रण आदेश कीमत तथा आयातों का पहुँच मूल्य निम्नानुसार है:-

रु०/किग्रा.	1997-98	1998-99	1999-00	2000-01
बिक्री कीमत	100	107.89	124.34	124.34
डी पी सी ओ अधिसूचित कीमत	100	124.34	124.34	124.34
आयातों का पहुँच मूल्य	100	91.45	84.54	76.64

टिप्पणी: सूचकांकित आंकड़ों को 1997-98 के अनुसार 100 माना गया है।



याचिकाकर्ता ने बताया है कि वह डी पी सी ओ की कीमत में वृद्धि होने के फलस्वरूप एनालजीन की बिक्री कीमत को बढ़ा सकता था । पहले निर्धारित की गई डी पी सी ओ कीमत बहुत ही कम थी और अनुवर्ती कार्रवाई करने पर कीमतों में उर्ध्वगामी संशोधन किया गया था । इसके अतिरिक्त, यह बताया गया है कि आयातों की पहुँच कीमत हमेशा ही डी पी सी ओ कीमतों से कम रही है । अतः आयातों से घरेलू बाजार में कीमतों में भारी कटौती हो रही है ।

### 9.7 रोजगार

याचिकाकर्ताओं ने बताया है कि कठिन समय में भी अपने कर्मचारियों को बनाए रखने की कंपनी की नीति के अनुरूप रोजगार के स्तरों में कोई खास अंतर नहीं आया है । तथापि, देश में अनेक अन्य एनालजीन के उत्पादकों ने अपना उत्पादन स्थगित कर दिया है जिसके फलस्वरूप उद्योग को सम्पूर्ण रूप में रोजगार के क्षेत्र में प्रत्यक्ष हानि हुई है ।

### 9.8 लाभप्रदत्ता

यद्यपि बिक्री कीमतों में वृद्धि हुई है तथापि, उत्पादन की लागत में भी वृद्धि हुई है । इसके अतिरिक्त, बिक्री कीमतों में वृद्धि डी पी सी ओ की अधिसूचित कीमतों में उर्ध्वगामी संशोधन के कारण हुई है । इसके अलावा, याचिकाकर्ता को पाटित आयातों के कारण डी पी सी ओ कीमतों पर उस माल को बेचने में काफी कठिनाई हो रही है जो डी पी सी ओ कीमतों से काफी कम कीमत पर उपलब्ध है । चालू वर्ष में आयात कीमत में और अधिक कमी आई है जिसके फलस्वरूप कीमतों पर और दबाव पड़ा और याचिकाकर्ता को उत्पाद बेचने में काफी कठिनाई हो रही है ।

## 10.0 क्षति संबंधी निष्कर्ष

अतः प्राधिकारी यह पाते हैं कि:

- चीन और ताईवान से हुए आयातों में समग्र रूप से वृद्धि हुई है
- संबद्ध देशों से हुए अधिकांश आयात जांच अवधि तथा पिछले वर्ष के दौरान हुए हैं।
- संबद्ध देशों से हुए निर्यात की कीमत में पर्याप्त रूप से कमी आई है।
- संबद्ध देशों से हुए आयातों की पहुँच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम है जिसके फलस्वरूप कीमतों में भारी कटौती हुई है।
- चीन तथा ताईवान से आयातित वस्तुओं के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है जबकि कुल मांग में याचिकाकर्ता के हिस्से में कमी आई है।

उपर्युक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि चीन तथा ताईवान के मूल के एनालजीन के आयातों से घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

## 11.0 कारणात्मक संबंध

11.1 अन्य देशों से आयात न्यूनतम सीमा से कम कीमत पर हुए हैं। अतः अन्य देशों से हुए आयात के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं पहुँच रही है।

11.2 एनालजीन की मांग में 1998-99 और 1999-2000 में वृद्धि हुई है यद्यपि 1997-98 की तुलना में इसमें कमी आई है। तथापि, यह मानते हुए कि मांग में कमी आई है याचिकाकर्ता के बढ़ते हुए आयातों से तथा कम होती हुई बिक्रियों से स्पष्ट होता है कि संबद्ध देश के निर्यातकों "कम हुई" मांग में उच्चतर बाजार हिस्सा प्राप्त करने में समर्थ हुए हैं। आयातों से भारतीय उद्योग के लिए बाजार में आगे और कमी आई है जिससे पाटन और क्षति के बीच कारणात्मक संबंध प्रमाणित होता है।

- 11.3 चीन और ताईवान के उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा की गई कीमतों में कमी घरेलू उद्योग को हुई क्षति का प्रमुख कारण है । व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार अथवा निर्यात निषेधादन जैसा दूसरा कोई कारण नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो ।
- 11.4 उपरोक्त को देखते हुए प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है ।

## 12.0 भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दे

- 12.1 सामान्य तौर पर पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य ऐसे पाटन को समाप्त करना है, जो देश के सामान्य हित में है । यह माना गया है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध वस्तु के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रभाव पड़ सकता है । किन्तु पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी, विशेषकर तब, जबकि लगाया जाने वाला पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुए नुकसान को कम करने के लिए आवश्यक राशि तक ही सीमित कर दिया जाए । इसके विपरीत, पाटनरोधी शुल्क लगाने से पाटन द्वारा प्राप्त हुए अनुचित लाभों को समाप्त किया जा सकेगा, घरेलू उद्योग के ह्रास को रोका जा सकेगा और एनालजीन के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रहेंगे । पाटनरोधी उपायों से संबद्ध देशों से आयात किसी भी प्रकार कम नहीं होंगे इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा ।
- 12.2 घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक पाटनरोधी शुल्क की मात्रा का पता लगाने के लिए प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए भारत में एनालजीन के उचित बिक्री मूल्य पर भरोसा किया है और इस संबंध में घरेलू उद्योग के लिए क्षमता उपयोग के ईष्टतम स्तर पर ईष्टतम उत्पादन लागत पर विचार किया है ।

**13.0 पहुँच मूल्य**

सीमाशुल्क के प्रचलित स्तर और एक प्रतिशत उतराई प्रभार जोड़ने के बाद चीन जनवादी गणराज्य और ताईवान से एनालजीन की भारत औसत निर्यात कीमत के आधार पर चीन जनवादी गणराज्य और ताईवान से हुए आयातों का पहुँच मूल्य निर्धारित किया गया है ।

**14.0 निष्कर्ष:**

प्राधिकारी ने पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद यह निष्कर्ष निकाला कि:

- (क) चीन जनवादी गणराज्य और ताईवान के मूल के अथवा वहां से निर्यातित एनालजीन का भारत को निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम पर किया गया, जिसके परिणामस्वरूप पाटन हुआ;
- (ख) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;
- (ग) क्षति कुल मिलाकर संबद्ध देशों से होने वाले आयातों के कारण हुई है ।

यह आवश्यक समझा जाता है कि आगे जांच होने तक अंतिम रूप से निर्धारण होने तक संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित एनालजीन के सभी आयातों पर अंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए ।

- 15.0 अतः प्राधिकारी ने तदनुसार, चीन जनवादी गणराज्य तथा ताईवान के एनालजीन पर पाटन मार्जिन के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करने का निर्णय लिया ।

सीमाशुल्क टैरिफ के अध्याय 29 के अंतर्गत आने वाले संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित एनालजिन के सभी आयातों पर अंतिम निर्धारण होने तक पाटनरोधी शुल्क कॉलम 3 में उल्लिखित राशि और अमरीकी डालर प्रति मी.टन में आयातों के पहुँच मूल्य के बीच का अंतर होगा और जो केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की गई अधिसूचना की तिथि से प्रभावी होगा ।

देश	निर्यातक	राशि(अमरीकी डालर/किग्रा.)
चीन जनवादी गणराज्य	सभी निर्यातक	9.778
ताईवान	सभी निर्यातक	9.875

16.0 इस उद्देश्य के लिए आयातों का पहुँच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के तहत सीमाशुल्क द्वारा यथा आकलित निर्धारणीय मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3 क, 8 ख, 9 एवं 9 क के तहत लगाए गए शुल्को को छोड़कर सभी सीमाशुल्क शामिल होंगे ।

17.0 संबद्ध ज्ञात निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्त्ता और अन्य हितबद्ध पार्टियों को प्राधिकारी द्वारा अलग से लिखा जा रहा है जो इस पत्र के जारी होने की तिथि से 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकते हैं । कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी इन जांच परिणामों के प्रकाशन की तिथि से 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकती हैं ।

एल. बी. सप्तऋषि, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY****NOTIFICATION**

New Delhi, the 7th March, 2001

**PRELIMINARY FINDINGS**

**Subject : Anti-Dumping investigation concerning imports of Analgin from China PR and Taiwan—Preliminary Findings.**

**No. 66/1/2000-DGAD.**— The Government of India having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof

**A. PROCEDURE**

1 The procedure described below has been followed with regard to the investigations:

- i The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the Rules, received written application from M/s Vani Chemicals and Intermediates Ltd., 1-306 & 307, 3<sup>rd</sup> Floor, Divyashakti Complex, 7-1-58, Ameerpet, Hyderabad on behalf of the domestic industry, alleging dumping of Analgin originating in or exported from China PR and Taiwan.
- ii The Authority, on the basis of sufficient evidence submitted by the Petitioner, decided to initiate investigations against imports of Analgin from China PR and Taiwan. The Authority notified Taipei Economic & Cultural Centre and the Embassy of China in India about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate the investigations in accordance with sub-rule 5(5) of the Rules;
- iii. The Authority issued a public notice dated 27<sup>th</sup> December, 2000 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigations concerning imports of Analgin, classified under heading 2933.1907 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975 and No.2933 1907 under Indian Trade Classification (Based on Harmonised Commodity Description and Coding System) originating from China PR and Taiwan. The classification is, however indicative only and in no way binding on the present investigations;
- iv. The Authority forwarded a copy of the public notice to the known exporters (whose details were made available by the petitioner) and industry associations and gave them an opportunity to make their views known in writing in accordance with the rule 6(2),

- v. The Authority forwarded a copy of the public notice to the known importers of Analgin in India and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of the letter;
- vi Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) to arrange details of imports of Analgin for the past three years, including the period of investigation.
- vii The Authority provided a copy of the petition to the known exporters and the Taipei Economic & Cultural Centre and Embassy of China PR in India in accordance with rules 6(3) supra;
- viii The Authority sent questionnaire, to elicit relevant information, to the following known exporters, in accordance with the rule 6(4);

1. *China National Chemical Construction Corpn., China*
2. *Gunga Dong Chemicals & Import Export Corpn., China*
3. *Long Hwang Chemicals Co.Ltd., Taiwan*
4. *Joint Union Enterprises Co.Ltd.,Taiwan.*

- ix. The Taipei Economic & Cultural Centre and Embassy of China PR in New Delhi was informed about the initiation of the investigations in accordance with rule 6(2) with a request to advise the exporters/ producers from their country to respond to the questionnaire with in the prescribed time. A copy of the letter, petition and questionnaire sent to the exporters was also sent to them, alongwith the list of known exporters and producer from China PR & Taiwan.

- x. The questionnaire was also sent to the following importers of Analgin in India calling for necessary information in accordance with rule 6(4);

1. M/s. Hoechst Marion Roussel Ltd., Mumbai
2. M/s. Makers Laboratories Ltd., Mumbai
3. M/s. Wyeth Laderle Ltd., Mumbai
4. M/s. Ipca Laboratories Ltd., Mumbai
5. M/s. Apex Pharma Chem., Ahmedabad
6. M/s. Deepen Drugs, Ahmedabad
7. M/s. Hub Pharmaceuticals Ltd., Mumbai
8. M/s. Ajanta Pharma Ltd.,Mumbai
9. M/s. Vinayak Pharmaceuticals, New Delhi.
10. M/s. Pradeep Drug Company Ltd., Chennai
11. M/s. Sell Well Pharmaceuticals, Indore
12. M/s. Vani Chemicals, Chennai
13. M/s. Mount Mettore Pharmaceuticals Ltd., Chennai
14. M/s. Plachem Industries, Mumbai
15. M/s. Prime Pharma, Mumbai
16. M/s. Sipali Chemicals, Chennai
17. M/s. Modern Pharmaceuticals Industries, Tirur
18. M/s. Castleline Organics Ltd., Madurai
19. M/s. Tablets India Ltd., Chennai
20. M/s. Kausalya Pharmaceuticals, Chennai

- 21 M/s. Hospital Laghu Udyog; Indore
22. M/s. Vikas Pharmaceutical Laboratories, Mumbai
- 23 M/s. Caplin Point Laboratories Ltd., Chennai
- 24 M/s. Alpa Labs (India) Ltd., Indore
25. M/s. Ordeal Laboratoreies, Indore
- 26 M/s. Shilpa Chem, Indore
- 27 M/s. Bafna Pharmaceuticals Ltd., Chennai
28. M/s. Bio Medica Laboratories, Indore
29. M/s. Pharma Fabrikon, Madurai
- 30 M/s. Atul Drug Agency, Mumbai

- xi. Additional information regarding injury was sought from the petitioner, which was also received;
- xii. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;
- xiii The Authority sought and verified information deemed necessary for the investigation
- xiv. The Authority also conducted cost investigation (based on the information received) and worked out optimum cost of production / cost to make and sell in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles.
- xv The investigations covered the period of 1<sup>st</sup> April, 1999 to 30<sup>th</sup> September, 2000 (18 months);
- xvi \*\*\* in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules;

## B Petitioner's Views

- 2.0 The petitioner has raised following issues in their petition:
- 2.1 Imports from China PR and Taiwan increased significantly in absolute terms.
- 2.2 Almost all imports of Analgin are only from the subject countries in 1999 & 2000.
- 2 3 The export price from subject countries has declined significantly;
- 2.4 The landed price of imports from the subject countries is below the selling price of the domestic industry, resulting in severe price undercutting.
- 2 5 A number of producers in India have suspended their production. The petitioner may be forced to suspend the production, should be position remain the same.



C Views of Exporters, Importers and other interested parties:

3.0 Exporters:

3.1 M/s. Joint Union Enterprise Co.Ltd., Taiwan:

The Company has stated that they have never exported the subject item to India during the period of April 1999 to September, 2000. They have requested to delete their company's name from the anti-dumping investigations.

3.2 Taipei Economic and Cultural Centre, New Delhi (TECC):

TECC has indicated that as per the record of import-export statistics of Director General of Customs in Taiwan, there is no record of export of Analgin to India during the period April, 1998 to March, 1998 and even during the period April, 1999 to September, 2000. According to their record, a small quantity of the said item had been exported to Pakistan only. Considering the above fact they have requested that the anti-dumping investigations against Taiwan be dropped.

Vide their submissions dated 14<sup>th</sup> February, 2001, TECC have submitted that according to import statistics provided by DGCI&S, Calcutta Analgin imported from Taiwan during the period April, 1999 to March 2000 and April to Sept. 2000 valued only Rs. 916398 and Rs.1661134 respectively, which is far less than import value from China PR which is Rs.33573478 and Rs 30555856 respectively. They have submitted that since the import value from Taiwan is so small they believe that the imports would cause any injury to domestic industry in India

4.0 IMPORTERS

They have stated that their business is localised and they do not import or export the subject material

D Examination of issues raised:

- 4.0 The submissions made by the exporters, importers petitioners and other interested parties have been examined, considered and have been dealt with at appropriate places therein.

E Product under consideration:

- 5.0 The product under consideration in the petition is Analgin originating in or exported from China and Taiwan. The product is classified under Customs Tariff heading 2933.1907. The classification is, however, indicative only and in no way binding on the present investigations. Analgin is a white crystalline powder with scarcely perceptible yellowish tinge. It is an anti-inflammatory and anti-pyretic drug used in analgesic and anti-pyretic purpose. The petitioners have also stated that the product is known by various synonyms of Analgin Viz. Metamizol, Methampyrone etc.

F Like Article:

- 6.1 Definition of Like Article states as under:

"Like Article means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation."

- 6.2 The Authority finds that Analgin produced by the petitioners and the subject product imported from China & Taiwan are comparable in terms of characteristics such as physical and chemical characteristics, manufacturing process and technology, function and uses, products specifications etc. The two are technically and commercially substitutable.

- 6.3 In light of the foregoing, Authority concludes that Analgin produced by the petitioner is a Like Article to the Analgin imported from China PR and Taiwan.

## G Domestic Industry:

7.1 The petition has been filed by M/s. Vani Chemicals & Intermediates Ltd., Hyderabad on behalf of domestic industry. There were more than 15 producers of Analgin in India about 2-3 years back. However, except Vani Chemicals, all of them have either suspended their production or completely closed their operations relating to Analgin due to unviable operation. The petitioner is the only producer of Analgin in India. The company thus accounts for 100% of Indian production of Analgin. The petitioner thus satisfies the standing to file the present petition and constitutes domestic industry under the Rules.

7.2 In light of the foregoing, the Authority concludes that the petitioner has the standing to file the petition on behalf of the domestic industry under the rules.

## H Dumping:

8.0 Under Section 9A (1)(c), normal value in relation to an article means:

- (i) "the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular mark situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-
  - (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6), or
  - (b) the cost of production of the said article in the country of origin alongwith reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin".

Normal Value:

- 8.1 The petitioner claims that it is not feasible for them to obtain normal value prevailing in China PR and Taiwan in view of the market condition in those countries. The normal value has been constructed on the basis of cost of production of subject goods duly adjusted to include selling, general and administrative expenses and a reasonable profit margin.
- 8.2 In absence of cooperation of any of the exporters, Authority relies upon the claims made by the petitioners with regards to constructed normal value in ChinaPR & Taiwan and the best available information on record. The normal value accordingly arrived at US \$ \*\*\* per MT and US \$ \*\*\* PMT for China PR and Taiwan respectively .

Export Price:

- 8.3 Export Price: The petitioners have provided the export price as per the Director General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S), Calcutta for the period 1998-99 and also for the period April,99 to September,2000 , and claimed export price based on above. The petitioners have indicated following adjustments to the CIF prices to arrive at the ex-factory export price i.e. Ocean Freight , Marine Insurance, Commission, Inland transportation, and Port handling charges totaling to US \$ \*\*\* per MT.
- 8.4 The Authority relies upon the DGCI&S import statistics for the period of investigation and the export price (ex-factory level) has been accordingly arrived at after adjustments.
- 8.5 Dumping Margin: The Rules relating to comparison provides comparison of normal value and export price provides as follows:

“While arriving at margin of dumping Designated Authority shall make a fair comparison between the export price and the normal value. A comparison shall be made at the same level of trade, normally at ex-works level and in respect of sales made and as nearly possible the same time. Due allowance shall be made in each case on its merits, for differences which occur price comparability

including differences in conditions and terms and sales, taxation, levels of trade quantities, physical characteristics and any other differences which are demonstrated to affect price comparability”

#### 8.6 Dumping Margin

Considering the normal value and export price as discussed above, the dumping margin as assessed would be as under

US\$ per kg	China	Taiwan
Normal value	***	***
Export price	***	***
Dumping margin	***	***
Dumping margin as a % of export price	115%	105%

For the purpose of fair comparison between normal value and export price the Authority took into account the information furnished by the petitioner and other published information available with the Authority. The normal value and export prices determined as detailed above are at ex-works level.

#### I Injury

9.0 Under Rule 11 supra, Annexure-II, When a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles. In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

Rule (iii) of the Annexure II to the Rules requires that in case imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping

investigation, The Authority will cumulatively assess the effect of such imports. Such assessment can be, however, made only if it is determined that:

- a) the margin of dumping in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the import of the like article in India, and
- b) the cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic article.

9.1 The Authority notes that the margin of dumping and quantum of imports from subject country are more than the limits prescribed above. Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate since the export prices from the subject country were directly competing with the prices offered by the domestic industry in the Indian market.

9.2 For the examination of the impact of imports on the domestic industry in India, the Authority has considered such further indices having a bearing on the state of the industry such as quantum of Imports production, capacity utilisation, sales quantum, stock market share, profitability, the magnitude and margin of dumping etc in accordance with Annexure II (iv) of the rules supra.

	1997-98	1998-99	1999-00	4/00 -9/00	POI (18mth)	Annual sed
Imports from China PR (MT)	58000	6700	196527	162699	359226	239484
Imports from Taiwan (MT)	-	-	191952	9000	20952	13968
Imports from Other countries (MT)	6100	-	-	-	-	-
Total Imports from all countries	64100	6700	388479	171699	380178	253452
(%)Share of in total imports						
China	90.48%	100%	50.58%	94.75%	94.48%	
Taiwan	--	--	49.41%	5.24%	5.51%	
Others	--	--	--	--	--	
Total Dom Production (B)	@ 181	130	146	27.50 (3mths)	173.5 (15 mth)	139
Total Demand in the Country(MT)	64281	6830	388625	171726	380351	
Market Share in Demand						
China PR & Taiwan	90.22%	98.09%	99.96%	99.98%		
Other Countries	9.48%	--	--	--		
Domestic Industry	0.28%	1.91%	0.04%	0.02%		

a includes production of other producer

It is evident from the table above that the imports from China and Taiwan have increased in absolute terms from 6700 MT during 1997-98 to 239484 MT during p.o.i (Ann). The market share of import from ChinaPR in the total demand in India, which was as low as 90.22% in 1997-98 registered increase and stood at 99.98% during p.o.i. The market share of domestic industry, which was 0.28 % in 1997-98 declined to 0.02 % in the period of investigation.

### 9.3 Production & Capacity Utilisation of petitioner:

Volume/MT	1997-98	1998-99	1999-2000	POI
Installed Capacity	480	480	480	720
Production	92	130	146	173.5 (15 mth)
Capacity Utilisation	19%	27%	30%	

Though the production and capacity utilisation of the petitioner has increased in 98-99 and 99-00, the same is a result of dedicated efforts by the company. The increase in production, capacity utilisation and sales by the petitioner, the company was not able to earn reasonable profits. Further, the production has fallen very drastically in the year 2000-2001(after June,2000)

### 9.4 Sales Volume:

	1997-98	1998-99	1999-2000	2000-01 (Apr –Jun)	2000-01 (Ann)
Sales (MT)	100	127.37	133.02	31.00	124.00

The sales volume of the petitioner has increased as a result of suspension of the production by a number of other producers in the country.

### 9.5 STOCKS

The stocks of Analgin with the petitioner has increased significantly over the period as is evident from the table below:

	1997-98	1998-99	1999-2000	2000-01 (Apr –Jun)	2000-01 (Ann)
Stocks (MT)	0	12.37	25.37	24.69	98.76

#### 9.6 Selling Price and Price Undercutting

The selling price of petitioner, Drug Price Control Order (DPCO) price and landed price of imports have been as under:

Rs/Kg	1997-98	1999-99	1999-00	2000-01
Selling Price	100	107.89	124.34	124.34
DPCO notified price	100	124.34	124.34	124.34
Landed Price of Imports	100	91.45	84.54	76.64

Note : Indexed figures considering 1997-98 as 100

The petitioner has stated that it could increase the selling price of Analgin as result of increase in the DPCO price. The DPCO price earlier fixed was on significantly lower side with the followup action there was upward revision of prices. Further, it has been stated that the landed price of imports have all along been lower than the DPCO prices. The imports are thus severely undercutting the prices in the domestic market.

#### 9.7 Employment

The petitioners have stated that there is no significant change in the employment levels in line with the company's policy to retain its people even in tough bad periods. However, a number of other Analgin producers in the country have suspended their production, which has resulted in direct loss of employment to the industry as whole.

#### 9.8 Profitability

Though the selling prices has increased, the cost of production has also increased. Further, the increase in the selling prices is a result of upward revision of DPCO notified prices. However, the petitioner is not able to earn any profits. Further, the petitioner is finding it extremely difficult to sell the material at the DPCO prices in the view of the dumped imports, which are available at prices significantly below DPCO prices. The import price in the current year have declined further, which has resulted in further pressure on prices and the petitioner is finding it difficult to sell the product.



#### 10.0 Conclusion on Injury:

The Authority thus observe that:

- The imports from China & Taiwan have increased in absolute terms.
- Most of the imports are only from the subject countries during poi and previous year;
- The exports price from the subject countries has declined significantly;
- The landed price of imports from the subject countries is below the selling price of the domestic industry, resulting in severe price undercutting;
- The market share of imported goods from China & Taiwan has gone up whereas the share of petitioner in total demand has come down.

The Authority, after considering the above, concludes the domestic industry has suffered material injury from the imports of Analgin originating from China & Taiwan.

#### 11.0 Causal Link:

- 11.1 Imports from other countries is below de-minimus limits. Imports from other countries is, therefore, not causing injury to the domestic industry.
- 11.2 The demand of Analgin has increased between 1998-99 and 1999-2000, even though it has declined as compared to 1997-98. However, assuming that the demand has declined, it is evident from the rising imports and falling sales of the petitioner that the exporters from subject countries have been able to manage higher market share in the "declined" demand. The imports have caused further contraction in the market for the Indian industry, thus evidencing causal link between dumping and injury.
- 11.3 Reduction in the prices by the Chinese and Taiwanese producers/exporters is the sole cause for the injury to the domestic industry. There is no other factor such as trade restrictive practices or export performance which has caused injury to the domestic industry
- 11.4 In view of the above, Authority notes that the injury to domestic industry has been caused by the dumped imports.

12.0 Indian Industry's Interest and other issues:

12.1 The purpose of anti dumping duties, in general, is to eliminate dumping which is in general interest of the country. It is recognised that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures, particularly if the levy of the anti dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of Analgin. Imposition of anti dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and therefore would not affect the availability of the product to the consumers.

12.2 To ascertain the extent of anti-dumping duty necessary to remove the injury to the domestic industry, the Authority relied upon reasonable selling prices of Analgin in India for the domestic industry, by considering the optimum cost of production at optimum level of capacity utilisation for the domestic industry.

13.0 Landed Value:

The landed value of imports from China PR & Taiwan have been determined on the basis of weighted average export price of Analgin from China PR and Taiwan, after adding the prevailing level of customs duties and one percent landing charges

14.0 CONCLUSIONS.

The Authority, after considering the foregoing, concludes that.-

- Analgin originating in or exported from China PR & Taiwan has been exported to India below normal value resulting in dumping;
- The domestic industry has suffered material injury
- The injury has been caused cumulatively by the imports from the subject countries.

It is considered necessary to impose anti-dumping duty, provisionally, pending final determination, on all imports of Analgin originating in or exported from the subject countries, pending investigations

- 15.0 Accordingly, the Authority has therefore, decided to recommend provisional Anti-dumping Duty equal to the margin of dumping, on Analgin from China PR and Taiwan. The Anti-dumping Duty shall be the difference between the amounts mentioned in column 3 below and the landed value of imports in US \$ /MT and from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of Analgin originating in or exported from subject countries falling under Chapter 29 of the Customs Tariff, pending final determination.

Country	Exporters	Amount (US \$ /Kg)
China PR	All Exporters	9.778
Taiwan	All Exporters	9.875

- 16.0 Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Section 3, 3A, 8B and 9, 9A of the Customs Tariff Act, 1975
- 17.0 Exporters, importers, petitioners and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the dispatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings.

L. V. SAPTHARISHI, Designated Authority

